(b) Information is being collected and will be laid on the Table of the House.

(c) Appointments to the High Courts are made on the basis of merit and suitability. Consideration of caste and community have no place in such appointments.

तांबे का आयात

481. श्री सीताराम सिंह :
श्री नागेश्वर प्रसाद शाही :

क्या विदेश व्यापार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या अप्रैल, 1970 में एम० एम० टी. सी. द्वारा 500 मीटरी टन तांबा आयात करने के लिए निविदायें आमंत्रित की गयी थीं;

(ख) क्या इन निविदाओं के आधार पर एम० एम० टी० सी० ने मैसर्स मुरलीधर प्रेमचन्द को 2500 मीटरी टन तांबे का आयात करने के लिए आर्डर दिया था; और

(ग) क्या इस आयात के कारण देश को लगभग 72 लाख रुपये की हानि हुई थी ?

†[IMPORT OF COPPER

481. SHRI SITARAM SINGH :
SHRI NAGESHWAR PRASAD SHAHI :

Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state :

(a) whether tenders were invited by the M.M.T.C. for the import of 500 tonnes of copper in April, 1970;

(b) whether orders for the import of 2,500 tonnes of copper were given to Messrs. Murli Dhar Prem Chand by the M.M.T.C. on the basis of these tenders; and

(c) if so, whether the countre incurred a loss of approximately Rs. 72 lakhs on account of this import ?]

विदेश व्यापार मंत्रायय में उपमंत्री (श्री ए. सी. जार्ज) : (क) तथा (ख) जी हां।

(ग) जी नहीं। खनिज तथा धातु व्यापार निगम के लिए लदन मेटल एक्सचेंज मे निवेदित कीमत से भी काफी कम कीमत पर तांबा खरीदना सम्भव था और इसके परिणामस्वरूप देश को काफी विदेशी मुद्रा की बचत हुई।

†[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE (SHRI A. C. GEORGE) : (a) and (b) Yes, Sir.

(c) No, Sir. It was possible for the MMTC to purchase copper at a considerably lower price than quoted in the London Metal Exchange and as a result, country saved substantial amount of foreign exchange.]

गोरखपुर में उर्वरक कारखाने की मशीनों पर रोगन करने के लिए निविदायें

482. श्री नागेश्वर प्रसाद शाही :
श्री सीताराम सिंह :

क्या पेट्रोलियम और रसायन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 17 अगस्त, 1971 को गोरखपुर के उर्वरक कारखाने की मशीनों पर रोगन करने के लिए जो निविदायें आमंत्रित की गई थीं, उनमें से न्यूनतम दर की निविदा कौन सी थी; और

(ख) कौन सी निविदा स्वीकार की गई थी और न्यूनतम दर की निविदा स्वीकार न करने के क्या कारण थे ?